(d) whether Government are making any enquiry into the matter, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI BABAGOUDA PATIL):

(a) The Central Government has released following amount of Central Assistance to the Stage of Assam under Jawahar Rozgar Yojana (JRY), Million Wells Scheme (MWS) and Employment Assurance Scheme (EAS) during 1996-97, 1997-98 and 1998-99, upto 28 February, 1999:—

(Rs. in lakhs)

Year	JRY	MWS	EAS
1996-97	3186.93	1050.14	10820.00
1997-98	5524.15	1210.22	8592.00
1998-99 (up to Feb. 99)	13064.73	3022.41	80,28.00

(b) Silchar is a Block not a District. It is district headquarters of Cachar district. The utilisation figures received from the State Government are only upto January, 1999. Accordingly, the amount utilised by Cachar district, in respect of JRY, MWS and EAS is given as below:

(Rs. in lakhs)

Year	JRY	MWS	EAS
1996-97	208.82	10.39	403.24
1997-98	208.66	60.99	563.05
1998-99 (up to Jan. 99)	108.66	64.50	374.70

(c) Yes, Sir.

(d) An enquiry was made by a team of official from Directorate of Panchayat and Rural Development Assam. On the basis of enquiry, action has been initiated against the officials involved in misappropriation and corruption.

Programmes for eradication of poverty

1664. DR. B.B. DUTTA:
SHRIMATI BASANTI SARMA:

Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the details of new schemes and programmes formulated and being implemented by the present Government for eradication of poverty in the country, particularly in rural, backward and tribal areas;

(b) targets set and achievements made under each programme, State-wise;

(c) the total amount allocated for this purpose and out of that how much amount has been utilised; and

(d) the steps being taken by Government in this direction to eradicate poverty in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI BABAGOUDA PATIL):

(a) to (d) No new scheme has been implemented by the present Government for eradication of poverty in the country. However, Jawahar Rozgar Yojana (JRY), Employment Assurance Scheme (EAS), Million Wells Scheme (MWS), Integrated Rural Development Programme (IRDP), Development of Women and Children in Rural Areas (DWCRA) and Training of Rural Youth for Self Employment (TRYSEM), are being implemented during 1998-99 in the rural areas of the country, including backward and tribal areas. Targets and achievements under these schemes for 1998-99 are indicated in Annexure. (Appendix 186, Annexure No. 32) Total amount allocated and utilised during 1998-99 is given in Annexure [Appendix 186, Annexure No. 33]

उड़ीसा, गुजरात और मध्य प्रदेश में रोजगार अवसरों का सृजन

1665. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुल्का :** क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना का एक भाग है, जिसे सरकार अत्याधिक लोकप्रिय बनाने का प्रयास कर रही है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या गत तीन वर्षो के दौरान उड़ीसा, गुजरात और मध्य प्रदेश में ग्रामीण और आदिवासी भूमिहीन

व्यक्तियों के लिए रोजगार अवसरों के सृजन हेतु कोई लक्ष्य निर्धारित किए गए थे,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ड़) क्या इन लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया था और यदि नहीं तो इस सबंधं में सरकार कौन-कौन से उपचारात्मक उपाय करने का विचार रखती है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बाबागोड़ा पाटील) : (क) और (ख) जवाहर रोजगार योजना दो चालू मजूदरी रोजगार कार्यक्रमों अर्थात् राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम तथा ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम को एक ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम अर्थात् जवाहर रोजगार योजना में मिलाकर अप्रैल, 1989, में शुरू की गई थी । जवाहर रोजगार योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार और महिलाओं के लिए अतिरिक्त लाभप्रद रोजगार उपलब्ध कराना है । जवाहर रोजगार योजना का गौण उद्देश्य टिकाऊ सामुदायिक एवं सामाजिक परिसम्पतियों का सृजन करना है ।

(ग) से (ड) जवाहर रोजगार योजना केवल ग्रामीण में कार्यन्वित की जाती है । तथापि, आदिवासी भूमिहीन लोगों के लिए अलग से लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जाते हैं ।

पिछले तीन वर्षो दौरान उड़ीसा, गुजरात और मध्य प्रदेश के संदर्भ में अनु0 जाति/अनु0 जनजाति के लोगों और भूमिहीन मजदूरों के लिए सृजित रोजगार से संबंधित जानकारी संलग्न विवरण में दी गई है ।

विवरण

1995-96

क्षेत्रवार उपलब्धि

क्रम. सं.	राज्य	लक्ष्य	उपलब्धि	अनु.जाति	अनु.ज. जाति	भूमिहीन	महिलाएं	अन्य
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	उड़ीसा	623.47	678.31	208.49	248.15	157.60	215.35	121.67
2.	गुजरात	213.23	209.42	27.64	111.89	65.35	57.44	69.89
3.	मध्य प्रदेश	849.29	759.46	177.01	319.25	275.92	254.84	263.2

1996-97

क्षेत्रवार उपलब्धि

क्रम. सं.	राज्य	लक्ष्य	उपलब्धि	अनु.जाति	अनु.ज. जाति	भूमिहीन	महिलाएं	अन्य
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	उड़ीसा	321.32	314.19	96.65	115.09	74.22	102.77	102.45
2.	गुजरात	109.14	105.20	14.61	46.13	43.70	31.46	44.46
3.	मध्य प्रदेश	444.97	349.03	92.20	129.63	135.02	114.86	127.19

1997-98

क्षेत्रवार उपब्धि

क्रम. सं.	**राज्य**	**लक्ष्य**	**उपलब्धि**	**अनु.जाति**	**अनु.ज. जाति**	**भूमिहीन**	**महिलाएं**	**अन्य**
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	उड़ीसा	299.18	299.82	92.47	111.72	63.71	93.33	95.63
2.	गुजरात	69.00	82.61	14.91	39.43	28.62	21.41	28.47
3.	मध्य प्रदेश	329.89	347.15	87.88	134.55	124.15	123.41	124.72